10. भारत-गौरव

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-दो वाक्य में उत्तर दीजिए :

1) भारत को प्रकृति का लीला-स्थल क्यो कहा है ?

- भारत में हिमालय के समान मनोहर पर्वत तथा गंगा जैसी पवित्र नदिया है | इसलिए इस देश को प्रकृति का लीला-स्थल कहा है |

2) भारतवर्ष को वृद्ध क्यो कहा गया है ?

- भारत संसार का सबसे पुराना देश है | इसलिए उसे वृद्ध कहा है |

3) विधाता ने नर-सृष्टि का विस्तार कहा से किया है ?

- विधाता ने नर-सृष्टि का विस्तार भारत से किया है |

4) आर्य किन-किन विषयो में आचारी थे ?

- आर्य सभी तरह की विषयो तथा कला-कौशल में आचार्य थे |

5) आर्यों की संतान आज किस स्थिति में जी रही है ?

- आर्य हमेशा स्वार्थ से अधिक परोपकार को महत्व देते है | वे मोह से दूर रहते है और निष्क्रिय रहना पसंद नही करते |

2. निम्नलिखित प्रश्नों के पाँच-छ: वाक्यों में उत्तर दीजिए :

1) गुप्तजी ने भारत कें गौरव को किस रूप में हमारे सामने रखा है ?

- गुप्तजी कहते है की भारत प्रकृति का पुण्य लीला-स्थल है | यह ऋषियों की पावन भूमि है | भारत ही संसार का सिरमौर है | भगवान की बनाइ हुइ भव-भूतियो का सबसे पहला भंडार भारतवर्ष ही है | यहा के निवासी आर्यों की यह प्रसिद्धि भूमि है | आर्यों ने ही संसार को विघ्या और कला-कौशल की शिक्षा दी | इस प्रकार कवि ने भारत के गौरव को हमारे सामने रखा है |

2) भारतवासियों के बारे में गुप्तजी क्या कहते है ?

- गुप्तजी के अनुसार भारतवासी आर्यों की संतान है | एक समय था जब आर्य विध्या और कला-कौशल में सबसे आगे थे | ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में उनका कोइ मुक़ाबला नही कर सकता था | परंतु उन महान आर्यों की संतान होकर भी आज भारतवासी अधोगति में पड़े हुए है | प्रगति की दौड़ में वे बुरी तरह पिछड गए है | फिर भी अपने महान पूर्वजो के उच्च आदर्शो को वे भूले नही है |

3. योग्य विकल्प रा रिक्त स्थानों की कीजिए :

1) भारत को ..... कहा गया है |

(A) ऋषिभूमि

(B) तपोभूमि

(C) वीरभूमि

2) वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का ..... है |

(A) तिलक

(B) आभूषण

(C) सिरमौर

3) विधि ने ..... का विस्तार यही से किया है |

(A) नर-सृष्टि

(B) जीव-सृष्टी

(C) पशु-सृष्टी

4) भारत के निवासी ..... है |

(A) मंगोला

(B) आर्य

(C) शक

5) आर्यों की संतानो की आज ..... हो गई है |

(A) अधोगति

(B) उन्नति

(C) अवगति

4. 'क' विभाग को 'ख' विभाग के साथ उचित रूप में जोडते हुए पुरा वाक्य लिखिए :

'क'	'ख'
1. वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का	1. उत्कर्ष है |
2. विध्या, कला-कौशल के	2. प्रथम भंडार है |
3. सम्पूर्ण देशो से अधिक भारत का	3. सिरमौर है |
4. भगवान की भव-भूति का	4. दुनिया में कोई दूसरा नहीं है |
5. भारत जैसा पुरातन देश	5. आर्य है |
6. भारत के निवासी	6. प्रथम आचार्य आर्य है |

- वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है |
- विध्या, कला-कौशल के प्रथम आचार्य आर्य है |
- सम्पूर्ण देशो से अधिक भारत का उत्कर्ष है |
- भगवान की भव-भूति का प्रथम भंडार है |
- भारत जैसा पुरातन देश दुनिया में कोई दूसरा नहीं है |
- भारत के निवासी आर्य है |

5. भाव स्पष्ट कीजिए :

1) वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है |

- सिरमौर का अर्थ है – सरदार अथवा श्रेष्ठ चरित्रवाला नायक | प्राचीनकाल में ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में भारत सबसे आगे था | भारत ने ही दुनिया को भिन्न-भिन्न विध्या सिखाई और कला-कौशल का ज्ञान दिया | इस देश ने ही संसार को सभ्यता और संस्कृति के पाठ सिखाए | आज भी हमारा देश संसार को सुख, शांति और मानवता का संदेश दे रहा है | इस क्षेत्र में दुनिया उसके नेतृत्व को सहारा रही है |

2) भगवान की भव-भूतियों का यह प्रथम भंडार है |

- भव-भूतिया अर्थात संसार के वैभव के उपकरण | सोना, चांदी, हीरे-मोती बहुमूल्य पदार्थो का भारत ने पता लगाया | रेशमी वस्त्र बनाने की कला यही विकसित हुइ | इस प्रकार भारत में केवल ज्ञान-विज्ञान का विकास ही नही हुआ, वैभव के उपकरणो का उपयोग भी यही से आरंभ हुआ |

6. शब्दो के विरुद्धर्थी शब्द लिखिए :

- अधोगति x उर्ध्वगति
- वृद्ध X युवा
- पुरातन X नूतन
- प्रथम X अंतिम
- विस्तार x संकुचन
- पुण्यभूमि x पापभूनि
- उत्कर्ष x अपकर्ष
- उच्च x निम्न

7. शब्दो के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

- हिमालय - हिमगिरि
- गंगा – भागीरथी
- गिरि – पर्वत
- भूमि – धरा
- विश्व - संसार
- मदिरा - शराब